

नुरप्रग n. nach Einigen = नुरप्र ÇKDr.

नुरभाण्ड (नुर + भाण्ड) n. Behälter für Schermesser: नुरभाण्डानु-
रमेकं समाकृष्य PAÑĀT. 40, 16, 15.

नुरभृष्टि (नुर + भृष्टि) adj. mit scharfen Zacken versehen: वज्रेण शत-
पर्वणा तीक्ष्णेन नुरभृष्टिना AV. 12, 3, 66.

नुरमर्दिन् (नुर + मर्) m. Barbier H. 923.

नुराङ्ग (नुर + अङ्ग) m. N. einer Pflanze (s. गोनुरक) RĀĠAN. im ÇKDr.

नुरार्षण (नुर + अर्षण) m. N. pr. eines Berges VARĀH. BH. S. 14, 20
in Verz. d. B. H. 241.

नुरिका (von नुर) f. 1) ein kleines Schermesser: नुरिकापनिषद् Titel
einer zum AV. gehörigen Upanishad Ind. St. 2, 170. fgg. Dolch, Mes-
ser H. 784, Sch. RĀĠA-TAR. 3, 437. नुरिकाबन्धन (?) Verz. d. B. H. No.
862. Vgl. कुरिका. — 2) eine Art Tongefäß ÇKDr. — 3) eine best. Ge-
müsepflanze (s. पालझु) RĀĠAN. im ÇKDr.

नुरिकापत्र (नुर + पत्र) m. Saccharum Sara (शर्) ROXB. RĀĠAN. im
ÇKDr. — Vgl. नुरपत्र.

नुरिन् (von नुर) 1) m. Barbier AK. 2, 10, 10. H. 922. — 2) f. नुरिणी
a) die Frau eines Barbiers ÇKDr. — b) N. eines Strauchs (s. वराकृता-
न्ता) RĀĠAN. im ÇKDr.

नुलिक m. N. pr. eines Fürsten, v. l. für नुल्लक VP. 464, N. 21.

नुल्ल (aus नुल्ल) adj. klein, wenig, winzig H. 1426. नुल्लमुखावह BĀĠ.
P. 3, 5, 10. 8, 2. नुल्लं लातीति (!) नुल्ल: P. 6, 2, 39, Sch.

नुल्लक (von नुल्ल) 1) adj. f. श्री klein, winzig NAIGH. 3, 2. AK. 3, 2, 11.
3, 4, 1, 10. H. an. 3, 27. MED. k. 69. अथो ये नुल्लका इव सर्वं ते कर्मयो कृ-
ताः AV. 2, 32, 5. ये मृकतो ये नुल्लकाः TS. 2, 3, 9, 3. ÇAT. BR. 4, 8, 1, 3. नु-
ल्लकतापश्चितम् ÂÇV. ÇR. 12, 5. KĀTJ. ÇR. 24, 5, 8. ÇĀÑEH. ÇR. 13, 25, 6. नु-
ल्लकैश्चदेव (vgl. मृकैश्चदेव) P. 6, 2, 39. भूतानां नुल्लकानाम् BHĠG. P. 4,
30, 29. यदि वः प्रधानं श्रद्धा सारं वा नुल्लका कृदि 6, 11, 5. niedrig, gemein
AK. 2, 10, 16. TRIK. 3, 3, 17 (नुल्लुका). H. an. MED. Nach H. an. noch =
पामर, कनिष्ठ (vgl. नुल्लतात), दुःखित; nach BHAB. = दरिद्र; vgl. नुल्ल.
— 2) m. a) eine kleine Muschel H. 1203. — b) N. pr. eines Fürsten
VP. 464, N. 21.

नुल्लतात (नुल्ल + तात) n. der jüngere Bruder des Vaters ÇKDr. नु-
ल्लतातक m. der Bruder des Vaters ĠATĀDH. im ÇKDr.

नेड und नेडित = द्वेड und ह्वेडित WILSON; vgl. नेडति SUÇR. 2,
246, 6.

नेत्र (von 1. 2. ति) n. SIDDH. K. 249, b, 2. 1) Grundbesitz, Grundstück;
Grund und Boden, Feld (AK. 2, 9, 11. H. 963. an. 2, 406. MED. r. 20). स-
न्नेत्रं सखिभिः शिल्पिभिः सन्तसूर्यं सन्दपः RV. 1, 100, 18. नेत्रमिव वि-
मंस्तेनेन 110, 5. 3, 31, 15. 5, 62, 7. 9, 83, 4. 91, 6. 10, 33, 6. कृत्या यो ने-
त्रं चक्रुः AV. 4, 18, 5. 5, 31, 4. 10, 4, 18. स्वे नेत्रं अनमीवा वि रज 14, 1,
22. 14, 2, 7. 2, 29, 3. TS. 2, 2, 1, 2. KĀTJ. ÇR. 10, 5, 3. KHAND. UP. 7, 24, 2.
यं जनपदं यं नेत्रभागम् 8, 1, 5. यावत्सूर्य उदेति स्म यावच्च प्रतितिष्ठति ।
सर्वं तथैवनाश्रस्य मोधातुः नेत्रमुच्यते BHĠG. P. 9, 6, 37. एतद्वाच्यनेत्रे भुजं-
गयोरिव युवयोर्विवादः (da keiner von Euch einen Anspruch zu machen
hat) DHŪRTAS. 92, 11. नेत्रं यो न कुर्यान्न कारयेत् ein Feld bebauen JĀĠN.
2, 158. M. 10, 114. 2, 246. 8, 240. 241. 262. 264. 341. 9, 36. 49. 51. 54. 330.
10, 70. 71. 11, 17. 114. 163. MEGH. 16. शस्यपूर्णा नेत्रम् HIT. 21, 8. नेत्रस्य

पतिः Herr des Grundes, genius fundi et loci NIR. 10, 14. नेत्रस्य पति-
ना वृषं कृतेनेव जयामि । गामश्च पोषयित्वा RV. 4, 37, 1, 2. 7, 35, 10
10, 66, 13. AV. 2, 8, 5. नेत्रस्य पत्नी 12, 1. नेत्राणां पतिः VS. 16, 18. — 2) Ort,
Gegend, Platz, Land: आरत्तेत्रादपश्यमाणं मिमानम् RV. 5, 2, 3. 43, 9.
अगच्छति नेत्रमार्गम् 6, 47, 20. मा त्वत्तेत्रापर्याणानि गन्म 61, 14. शिवा-
स्मै सर्वस्मै नेत्राय AV. 3, 28, 3. मृत्योः नेत्राणि TS. 7, 2, 3, 5. जीर्णोद्याने
श्मशाने च चैत्ये च ध्वजलागृहे । एषु नेत्रेषु ये दृष्टा यन्ति ते यमसादनम् ॥
VET. 17, 2, 3. H. 38. यवनप्राणस्यपातनादीनि नेत्राणि SUÇR. 1, 41, 7. ने-
त्रं कारवम् MEGH. 49. नेत्र = भारतादि H. an. — 3) heiliges Gebiet, Wall-
fahrtsort TRIK. 3, 3, 337. H. an. MED. BRAHMA-P. in LA. 1, 3. वाराणसी-
नेत्र, कामरूप, गङ्गा, गया, नारायण, पुरुषोत्तम, विष्णुनेत्राणि ver-
schiedene PURR. im ÇKDr. Die vier heiligen Gebiete in Orissa LIA. I,
187, N. नेत्रतीर्थवर्णनं Verz. d. B. H. 147 (97). नेत्ररक्षकथन 146 (64).
— 4) eine umgränzte Fläche, Umfang: कूपः स्वल्पनेत्रः JĀĠN. 2, 156.
Vgl. 9. — 5) der fruchtbare Mutterleib; das als Feld gedachte Eheweib,
welches der Ehemann selbst bestellt oder durch Andere bestellen lässt;
= भग oder योनि H. an. VARĠ. beim Sch. zu ÇIC. 14, 34. = पत्नी Gat-
tin AK. 3, 4, 25, 182. H. 313. H. an. MED. RV. 1, 119, 7 (nach SĪJ.). viell.
पक्षं नेत्रात्कामदुष्टो म एषा AV. 11, 1, 28. R. 5, 3, 49. नेत्रभूता स्मृता ना-
री वीजभूता स्मृतः पमान् । नेत्रवीजसमायोगात्संभवः सर्वदेहेनाम् ॥ M. 9,
33. नेत्रिकानुमते नेत्रे वीजं यस्य प्रकीर्यते । तदपत्यं द्वयेरेव वीजिनेत्रिक-
योर्मतम् ॥ NĀRADA in DĀJ. 82. ता तु ज्ञाता परनेत्रे M. 3, 175. स्वे नेत्रे सं-
स्कृतायां तु स्वयमुत्पादयेद्दि यम् 9, 166. अयुत्रेण परनेत्रे नियोगोत्पादितः
सुतः JĀĠN. 2, 127. यवैवाहं पितुः नेत्रे जातस्तेन महर्षिणा MBu. 1, 4661.
4240 (pl.). 4304. R. 5, 2, 24. 32, 42. ÇIK. 11, 10. BHĠG. P. 3, 3, 20. — 6)
Gebiet, Sitz, Ort der Wirksamkeit, der Entstehung: पिच्यमस्मि तव नेत्रं
वज्र मय्ये च ते भृशम् ich bin der angestammte Ort deiner Wirksamkeit
d. i. wie du für meinen Vater geopfert hast, so musst du es auch für mich
thun (König Marutta zu Brhaspati) MBu. 14, 126. शुभनेत्रगतश्चाहं त-
व संदर्शनात् R. 1, 20, 21. नेत्रमप्रत्ययानाम् ÇĀNTIC. 2, 3. तपसा सिद्धिनेत्रम्
ÇIK. 99, 18. पाटलिपुत्रं नेत्रं लक्ष्मीसरस्वत्याः KATHĀS. 3, 78. अविद्या नेत्र-
मुत्तरेषाम् (अस्मितादीनाम्) JOGAS. 2, 4. यत्र यत्रापतन्मह्यो रेतस्तस्य महा-
त्मनः । तानि द्वयस्य हेमश्च नेत्राण्यसन्महोपते ॥ BHĠG. P. 8, 12, 33.
BURNOUT: des statues d'or et d'argent. जीवाजीपाधारनेत्रं लोकः H. 1363.
— 7) der Sitz der Seele, der Körper AK. 3, 4, 25, 182. TRIK. 2, 6, 19. H.
363. H. an. MED. JĀĠN. 3, 178. इदं शरीरं कैतिय नेत्रमित्यभिधीयते । ए-
तयो वेति तं प्राहुः नेत्रज्ञमिति तद्विदः ॥ नेत्रज्ञं चापि मो विद्धि सर्वनेत्रेषु
भारत । BHAG. 13, 1, 2. योगिनो यं विचिन्वन्ति नेत्राभ्यन्तरवर्तिनम् KUM-
BAS. 6, 77. — 8) Zodiakbild Ind. St. 2, 283. — 9) (in der Geometrie)
eine durch Linien eingeschlossene Fläche (Dreieck, Viereck, Kreis, Bo-
gen) COLEBR. Alg. 58. Vgl. 4. — 10) Haus. — 11) Stadt VARĠ. a. a. O.
— Vgl. अन्यनेत्र, कुरू, देव, धर्म, सिद्ध, मु.

नेत्रकार (नेत्र + कार) adj. (f. ई), subst. das Feld bebauend, Landmann
P. 3, 2, 21.

नेत्रकर्कटी (नेत्र Feld + कर्क) f. eine Gurkenart (s. वानुको) RĀĠAN.
im ÇKDr.

नेत्रकर्मन् (नेत्र + कर्म) n. Feldebau: नेत्रकर्मकात् der das Feld bebaut,
Landmann KATHĀS. 20, 11.